

पर्थ की शर्मनाक हार के बाद ब्रुक ने बल्लेबाजों का किया बचाव, बोले-हार से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा

इंग्लैंड के कप्तान को एडिलेड में वापसी की उम्मीद, रविवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा वनडे

एडिलेड

आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रुक ने अपने बल्लेबाजों का बचाव किया है। उन्होंने टीम से पर्थ की हार को पीछे छोड़कर अगले मुकाबले पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। ब्रुक ने कहा कि हार से अक्सर जीत के मुकाबले ज्यादा सीख मिलती है और टीम को जल्द इससे उबरना होगा।

आस्ट्रेलिया ने पर्थ के आप्टस स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे में इंग्लैंड को सात विकेट से हराया था। इंग्लैंड की टीम 33.4 ओवर में महज 131 रन पर सिमट गई थी। इसके जवाब में आस्ट्रेलिया ने कप्तान मिचेल मार्श के 30 गेंदों पर बनाए गए 50 रनों की बदौलत केवल 23.3 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। आस्ट्रेलिया ने 159 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।

आस्ट्रेलिया के पदार्पण कर रहे तेज गेंदबाज महली बियर्डमैन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर छह विकेट झटके थे। उनकी घातक गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज हैरी ब्रुक और जो रूट भी टिक नहीं सके। एक समय इंग्लैंड का स्कोर आठ विकेट पर 65 रन हो गया था।

अफ्रीका में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में अब केवल 11 महीने शेष हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में 50 ओवर के मुकाबलों की संख्या सीमित होने के बावजूद इंग्लैंड इस सीरीज को काफी गंभीरता से ले रहा है। ऐसे में आस्ट्रेलिया की दूसरे दर्जे की गेंदबाजी आक्रमण के सामने पर्थ में मिली हार इंग्लैंड के लिए और भी निराशाजनक रही।

हार से सीख लेकर आगे बढ़ने की जरूरत : ब्रुक - रविवार को एडिलेड में होने वाले दूसरे वनडे से पहले शनिवार को ब्रुक ने प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि टीम को हार पर ज्यादा देर तक नहीं सोचना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस हार को लेकर बहुत ज्यादा नहीं सोचना चाहिए। आप अपनी हार से हमेशा बहुत कुछ सीखते हैं, शायद जीत के मुकाबले भी ज्यादा। आपको वापस जाकर पूरी टीम के रूप में बातचीत करनी होती है। खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से भी बात करनी चाहिए और इस मैच से जितनी सकारात्मक बातें सीखी जा सकती हैं, उन्हें लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि क्रिकेट, खासकर सीमित ओवरों का क्रिकेट, बहुत तेजी से आगे बढ़ता है। इसलिए खिलाड़ियों को परिस्थितियों के अनुसार जल्द आगे बढ़ने के लिए तैयार रहना चाहिए।

सीरीज में वापसी का भरोसा - ब्रुक ने कहा कि पहले मुकाबले में मनचाहा परिणाम नहीं मिला, लेकिन इंग्लैंड अभी भी सीरीज में बना हुआ है। उन्होंने टीम के पिछले अनुभवों का हवाला देते हुए कहा कि इंग्लैंड पहले भी सीरीज में 0-1 से पिछड़ने के बाद वापसी कर जीत हासिल कर चुका है।

ब्रुक ने कहा, मैं जानता हूं कि हमें वह नतीजा नहीं मिला, जिसके लिए हम यहां आए थे, लेकिन हम अभी भी सीरीज में बने हुए हैं। सभी जानते हैं कि हम पहले भी ऐसी स्थिति में रहे हैं, जब सीरीज में 0-1 से पिछड़ने के बाद हमने वापसी करते हुए सीरीज जीती है। फिलहाल हमारा मुख्य लक्ष्य भी यही है। तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार को एडिलेड में खेला जाएगा। इंग्लैंड की कोशिश इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में बराबरी हासिल करने की होगी, जबकि आस्ट्रेलिया की नजरें सीरीज अपने नाम करने पर रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

मेसी के संन्यास के बाद पहले मुकाबले में हारा अर्जेंटीना, उरुग्वे ने 2-1 से दी शिकस्त

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबाल से संन्यास के बाद अपने पहले मुकाबले में अर्जेंटीना को हार का सामना करना पड़ा। खेले गए मैत्री मुकाबले में उरुग्वे ने अर्जेंटीना को 2-1 से शिकस्त दी। अर्जेंटीना की हार में डिफेंडर लियोनार्डो बालेरदी का आत्मघाती गोल और उरुग्वे के मिडफील्डर मैक्सी अराउजो का गोल निर्णायक साबित हुआ। उरुग्वे के नए मुख्य कोच डिएगो फोर्लान के नेतृत्व में टीम की यह तीसरी जीत है। दूसरी ओर, 2026 विश्व कप की उपविजेता अर्जेंटीना मेसी की गैरमौजूदगी में लंबे समय तक उरुग्वे की मजबूत रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रही। मुकाबले में पहला गोल दूसरे हाफ की शुरुआत के तुरंत बाद हुआ। जार्जियन डी अरास्काएटा की बाईं ओर से आई फ्री-किक पर अर्जेंटीना के रक्षात्मक क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। लिसांद्रो मार्टिनेज ने हेडर से गेंद को बाहर करने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके साथी खिलाड़ी बालेरदी से टकराकर अपने ही गोल में चली गई। इसके बाद 53वें मिनट में डी अरास्काएटा ने कार्नर किक से उरुग्वे की बढ़त दोगुनी कर दी। गेंद अराउजो के कंधे से टकराकर ऊंची उछली और गोलपोस्ट में पहुंच गई। अर्जेंटीना के लिए एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज ने 73वें मिनट में गोल कर वापसी की उम्मीद जगाई। इंजरी टाइम में भी उनके पास एक और अच्छा मौका आया, लेकिन उरुग्वे ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए मुकाबला 2-1 से जीत लिया।



16 नवंबर को बैटोग्राफी प्रदर्शनी में पेश किये जाएंगे सचिन के बल्ले



मुंबई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के खास बल्ले , जर्सी और हेलमेट सहित अन्य ऐतिहासिक धरोहरें 16 नवंबर को बैटोग्राफी नामक एक विशेष प्रदर्शनी में अनावरित की जाएंगी, जो क्रिकेट प्रेमियों को तेंदुलकर के अद्वितीय क्रिकेट सफर को करीब से जानने का अनूठा अवसर प्रदान करेंगी। इन 26 बल्लों में वे भी शामिल हैं जिनसे तेंदुलकर ने अपने 100 अंतरराष्ट्रीय शतकों में से कई ऐतिहासिक और यादगार पारियां खेली थीं। इन बल्लों के अतिरिक्त, उनके हेलमेट, विशिष्ट जर्सी और करियर के कुछ महत्वपूर्ण पलों से जुड़े निजी नोट्स सहित कई अन्य बेशकीमती यादगार वस्तुएं भी इस संग्रह का हिस्सा होंगी। यह प्रदर्शनी तेंदुलकर के खेल जीवन के हर पहलू को दर्शाएगी, जिससे प्रशंसक उन क्षणों को फिर से महसूस कर सकेंगे जिन्होंने उन्हें क्रिकेट जगत में मास्टर ब्लास्टर की पहचान दिलाई। इस प्रदर्शनी का अनावरण 16 नवंबर को एक विशेष समारोह में होगा। यह तिथि तेंदुलकर के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की 13वीं वर्षगांठ के साथ मेल खाती है। उन्होंने 16 नवंबर, 2013 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना 200वां और अंतिम टेस्ट मैच खेलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा था।

वार्नर बोले कमिंस ने बढ़ा दी है ख्वाजा की मुश्किलें



सिडनी। आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा है टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने जिस प्रकार से गेंद से छोड़छाड़ मामले में जो बयान दिया है, उससे उनके साथी बल्लेबाज रहे उस्मान ख्वाजा की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वार्नर के अनुसार इससे मुझे दुख हआ है क्योंकि ख्वाजा से मेरी अच्छी दोस्ती है। कमिंस ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में ख्वाजा के गेंद से छेड़छाड़ मामले की जानकारी सभी खिलाड़ियों को होने के जो आरोप लगाये थे उन्हें गलत करार दिया है। इससे ख्वाज झूठे साबित हो रहे हैा ऐसे अलावा उनपर टीम की छवि खराब करने के लिए आरोप लगने लगे हैं। वार्नर इसलिए भी परेशान हैं क्योंकि उन्होंने शुरुआत में ख्वाजा के आरोपों को सही बताया था। वहीं कई पूर्व खिलाड़ियों ने ख्वाजा पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने अपनी किताब बेचने के लिए आधारहीन आरोप लगाये हैं। वहीं वार्नर ने कहा कि मैं अभी भी इस मामले में उस्मान के सा था हूं। इससे एक बार फिर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में संकट खड़ा हो गया है हालांकि अधिकतर लोग कमिंस से सहमत हैं। गौरतलब है कि हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने वाले ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र के जरिए गेंद से छेड़छाड़ मामले को फिर से शुरु कर दिया। इसमें उन्होंने केप टाउन टेस्ट के बारे में अपना पक्ष रखा है।

टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर : मार्टिरोस्यान ने कार्लसन को हराया, ग्रुप सी में बनाई बढ़त

बुडापेस्ट (हंगरी)

अर्मेनिया के ग्रैंडमास्टर हाइक मार्टिरोस्यान ने टोटल चेस विश्व चैंपियनशिप टूर के फास्ट क्लासिक ग्रुप चरण के तीसरे दिन बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। इस जीत के साथ मार्टिरोस्यान ग्रुप सी में 10 अंकों के साथ एकल बढ़त पर पहुंच गए। वहीं, एंड्रयू हांग ने ग्रुप ए के शीर्ष खिलाड़ी अलीरेजा फिरोजा को हराकर उन्हें इस चरण की पहली हार का स्वाद चखाया।

बुडापेस्ट में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में तीसरे दिन पांचवें और छठे दौर के मुकाबले हुए। कुल 24 मुकाबलों में 10 के नतीजे निकले। प्रत्येक खिलाड़ी को एक ही प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दो मुकाबले खेलने थे, जिनमें दूसरे मुकाबले में रंग बदल दिए गए। जीत पर तीन और ड्रा पर एक अंक दिए जा रहे हैं।

छह मुकाबलों के बाद चारों ग्रुप में अलग-अलग खिलाड़ी शीर्ष पर हैं। ग्रुप ए में फिरोजा 11 अंक, ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना 14 अंक, ग्रुप सी में मार्टिरोस्यान 10 अंक और ग्रुप डी में मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव 12 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं।

फिरोजा को हांग ने चौंकाया, वापसी कर बराबर किए अंक

ग्रुप ए में एंड्रयू हांग ने सफेद मोहरों से खेलते हुए अलीरेजा फिरोजा को हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली फास्ट क्लासिक जीत दर्ज की। हालांकि, वापसी के मुकाबले में फिरोजा ने सफेद मोहरों से जीत हासिल कर हिसाब बराबर कर दिया। उन्होंने बेहतर स्थिति बनाई और अनुकूल अदला-बदली के बाद जीत सुनिश्चित की। दोनों खिलाड़ियों को तीन-तीन अंक मिले। फिरोजा के खाते में अब 11 और हांग के खाते में छह अंक हैं।



जोर्डन वान फारेस्ट ने नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ पहला मुकाबला जीता और दूसरा ड्रा खेला। इस तरह उन्होंने चार अंक हासिल किए और आठ अंकों के साथ आगे बढ़े। अब्दुसत्तोरोव के पांच अंक हैं।

जान-क्रिस्टोफ डूडा और लेवोन अरोनियन के बीच दोनों मुकाबले ड्रा रहे। डूडा नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं और फिरोजा से दो अंक पीछे हैं। अरोनियन के खाते में सात अंक हैं।

कारुआना ने चार अंकों की बढ़त बनाई

ग्रुप बी में फैबियानो कारुआना ने अपनी अजेय लय बरकरार रखते हुए विंसेंट कीमर को पहले मुकाबले में काले मोहरों से हराया। एंडगेम में बढ़त हासिल करने के बाद उन्होंने उसे जीत में बदल दिया। दोनों के बीच दूसरा मुकाबला ड्रा रहा। कारुआना छह मुकाबलों में चार जीत और दो ड्रा के साथ 14 अंक हासिल कर चुके हैं। कीमर के खाते में चार अंक हैं।

लिएम ले और रिचर्ड रैपोर्ट के बीच दोनों मुकाबले ड्रा रहे। इसके साथ लिएम ले के 10 और रैपोर्ट के पांच अंक हो गए हैं। आर. प्रज्ञानानंद और व्लादिस्लाव आर्टेमिएव के बीच भी दोनों मुकाबले बराबरी पर समाप्त हुए। उनका पहला मुकाबला 89 चालों तक चला। आर्टेमिएव के पांच और प्रज्ञानानंद के चार अंक हैं।

कार्लसन को हराकर मार्टिरोस्यान ग्रुप सी में शीर्ष पर

दिन का सबसे बड़ा मुकाबला ग्रुप सी में देखने को मिला, जहां हाइक मार्टिरोस्यान ने मैग्नस कार्लसन को हराकर उनकी लगातार चार ड्रा के बाद पहली हार दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए मार्टिरोस्यान ने आक्रामक स्थिति बनाई और लगातार दबाव बनाकर जीत हासिल की। वापसी का मुकाबला ड्रा रहा। इस तरह मार्टिरोस्यान ने चार अंक जुटाकर कुल 10 अंकों के साथ ग्रुप में एकल बढ़त बना ली। कार्लसन के खाते में पांच अंक हैं।

अनिश गिरि नौ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने इयान नेपोमनियाची के खिलाफ पहला मुकाबला ड्रा खेला, जबकि वापसी के मुकाबले में सफेद मोहरों से जीत दर्ज की। लंबे संघर्ष के बाद मिली इस जीत से नेपोमनियाची सात अंकों पर रह गए।

शखरियार मामेदयारोव और अभिमन्यु मिश्रा के बीच दोनों मुकाबले ड्रा रहे। मामेदयारोव के सात और मिश्रा के पांच अंक हैं।

वाचिएर-लाग्रेव ने ग्रुप डी में बनाई तीन अंकों की बढ़त

ग्रुप डी में मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव ने शीर्ष खिलाड़ियों की भिड़ंत में हंस मोके नीमन को पीछे छोड़ दिया। दोनों के बीच पहला मुकाबला ड्रा रहा, लेकिन वापसी के मुकाबले में वाचिएर-लाग्रेव ने सफेद मोहरों से लगातार दबाव बनाते हुए जीत हासिल की। वह 12 अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गए हैं और नीमन से तीन अंक आगे हैं।

अर्जुन एरिगैसी ने वेस्ली सो के खिलाफ एक जीत और एक ड्रा के साथ चार अंक हासिल किए। पहले मुकाबले में दबाव में आने के बाद एरिगैसी ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। दूसरे मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने अंक बांटे। एरिगैसी और नीमन के अब नौ-नौ अंक हैं, जबकि सो के चार अंक हैं।

बिबिसारा अस्सौबायेवा और वैशाली रमेशबाबू के बीच दोनों खिलाड़ियों ने सफेद मोहरों से एक-एक जीत दर्ज की। अस्सौबायेवा ने पहला मुकाबला जीता, लेकिन वैशाली ने वापसी करते हुए आक्रामक खेल के दम पर अपनी पहली फास्ट क्लासिक जीत हासिल की। अस्सौबायेवा के आठ और वैशाली के चार अंक हैं। टूर्नामेंट का ग्रुप चरण सातवें और आठवें दौर के मुकाबलों के साथ आगे बढ़ेगा। प्रत्येक खिलाड़ी को अभी चार मुकाबले और खेलने हैं। ग्रुप चरण के अंतिम अंक तालिका के आधार पर छह नाकआउट वर्गों में खिलाड़ियों की जगह तय होगी।

जापान मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे लक्ष्य सेन, अल्वी फरहान को हराया



कुमामोटो

भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए जापान मास्टर्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने इंडोनेशिया के अल्वी फरहान को तीन गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 21-12, 15-21, 21-11 से हराया। लक्ष्य ने एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जापान के कोकी वतानाबे या पूर्व विश्व नंबर एक थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसार्न में से किसी एक से होगा।

25 वर्षीय लक्ष्य के लिए यह जीत इस सत्र में उनकी शानदार वापसी का एक और प्रमाण है। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय टूर पर संघर्ष कर रहे लक्ष्य ने जर्मनी में शानदार प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल की थी। उन्होंने हायलो ओपन के फाइनल में इंडोनेशिया के मौजूदा चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी को 21-17, 21-10 से हराकर इस सत्र का अपना पहला और करियर का सातवां खिताब जीता था।

पहले दौर से लगातार शानदार प्रदर्शन

जापान मास्टर्स में लक्ष्य ने अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर की थी। दूसरे दौर में उन्होंने चीन के डोंग तियान याओ को महज 35 मिनट में 21-8, 21-14 से शिकस्त दी। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य ने जापान के युशी तनाका को 21-16, 21-15 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई थी। अब अल्वी फरहान को मात देकर उन्होंने फाइनल का टिकट हासिल कर लिया है।

लक्ष्य ने हालांकि कोरिया ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था, लेकिन जापान में उनका शानदार प्रदर्शन सत्र के अंत में होने वाले बीडब्ल्यूएफ टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उनकी संभावनाओं को मजबूत करेगा। अब उनकी नजरें जापान मास्टर्स का खिताब जीतकर इस अभियान का शानदार अंत करने पर होंगी।

डायमंड लीग के 18 वें संस्करण की शुरुआत दोहा से होगी



दोहा। विश्व एथलेटिक्स की इस प्रतिष्ठित ट्रैक एंड फील्ड सीरीज डायमंड लीग का 18वां संस्करण अगले साल 7 मई से कतर की राजधानी दोहा में शुरु होगा। इस लीग में विश्व के अधिकतर शीर्ष एथलीट शामिल होंगे। दोहा के बाद सीरीज के मुकाबले एशिया के अन्य शहरों शंघाई/केकियाओ और शियामेन में होंगे। शुरुआती मुकाबलों में एथलीटों को नए सत्र में अपनी लय और फार्म साबित करने का अवसर मिलेगा। डायमंड लीग के के मुकाबले इसके बाद 3 जुलाई को अमेरिका के यूजीन, ओरेगन में प्रीफान्टेन क्लासिक के नाम से होंगे। इसके बाद सीरीज एक बार फिर यूरोप लौटेगी, जहां कई अहम प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी।अमेरिका में मुकाबले के बाद डायमंड लीग का आयोजन मोनाको, लुसाने, लंदन, सिलेसिया और ब्रुसेल्स में होगा। इन प्रतियोगिताओं में एथलीटों के पास बेहतर अंक हासिल कर फाइनल के लिए अपनी दावेदारी पक्की करना रहेगा। लीग का फाइनल 25 और 26 अगस्त को स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख में आयोजित किया जाएगा। दो दिनों तक चलने वाले इस मुकाबले में सीजन के शीर्ष एथलीट डायमंड लीग ट्राफी के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। फाइनल के साथ ही इस प्रतिष्ठित सीरीज के विजेताओं का फैसला होगा। इस सीरीज से खिलाड़ियों को लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का अवसर मिलेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में गुरनूर शामिल, कुलदीप बाहर

19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होगी दो टेस्ट मैचों की सीरीज, ऋषभ पंत भी टीम से जुड़े

नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले भारतीय टीम में बदलाव किया गया है। पुरुष चयन समिति ने तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है, जबकि कुलदीप यादव को घरेलू क्रिकेट खेलने के लिए टेस्ट टीम से रिलीज कर दिया गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी भारतीय टेस्ट टीम के सदस्यों के साथ जुड़ गए हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज 19 नवंबर 2026 से वेलिंगटन में शुरू होगी। यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के जून 2027 में होने वाले फाइनल की दौड़ के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में न्यूजीलैंड फिलहाल शीर्ष पर है। दक्षिण अफ्रीका और आस्ट्रेलिया भी अंक प्रतिशत के आधार पर उसके करीब हैं। भारत चौथे स्थान पर है और



शीर्ष टीमों से कुछ पीछे चल रहा है। ऐसे में फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अपने बाकी बचे सात टेस्ट मैचों में से अधिकतर में जीत दर्ज करनी होगी। भारत का अभियान आस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के साथ समाप्त होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ संशोधित भारतीय टेस्ट टीम - शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, साई सुदर्शन, नीतीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और गुरनूर बरार।

वाराणसी में बना है अनूठा स्टेडियम, हर ओर दिखती है भगवान शिव की झलक, दिसंबर से शुरु होंगे मुकाबले

वाराणसी

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में एक नया अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बना है। इस स्टेडियम में अगले माह दिसंबर से मुकाबले शुरु होंगे। ये स्टेडियम अन्य सभी से इस मामले में अलग होने के साथ ही विशेष इसलिए है कि इसकी वास्तुकला अनूठी है। एक रिपोर्ट के अनुसार स्टेडियम में हर ओर भगवान शिव की प्रेरणा स्पष्ट दिखती है।

जहां मीडिया बाक्स डमरू के आकार में ढला है, वहीं फ्लड लाइट्स त्रिशूल की आकृति में जगमगाती हैं, और स्टेडियम की छत एक अर्धचंद्राकार स्वरूप लिए हुए है। अभी यहां अंतरराष्ट्रीय मैचों की तारीखें तय नहीं हुई हैं पर घरेलू क्रिकेट मुकाबलों के साथ इस नए मैदान पर खेल का सफर शुरू किये जाने की पूरी तैयारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, वाराणसी क्रिकेट स्टेडियम में कूच बिहार ट्राफी (अंडर-19 रेड बाल टूर्नामेंट) के कुछ अहम मुकाबले आयोजित किए



जा सकते हैं।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने अपनी मेजबानी में होने वाले कम से कम दो मैचों को इस अत्याधुनिक स्टेडियम में कराने का फैसला किया है। लिया है।

इस स्टेडियम को अभी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से अंतिम हरी झंडी मिलने का इंतजार है। इसी सप्ताह बीसीसीआई के अधिकारी वाराणसी पहुंचकर स्टेडियम का गहन दौरा करेंगे और उसकी तैयारियों का जायजा लेंगे।

जैसे ही बीसीसीआई से आवश्यक अनुमति मिल जाएगी, यूपीसीए कूच बिहार ट्राफी के मैचों के नये कार्यक्रम की तुरंत घोषणा कर देगा। मौजूदा कार्यक्रम के तहत, लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 26 से 29 नवंबर तक गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच एक मुकाबला खेला जाना है। इसके बाद, पुडुचेरी से 3 से 6 दिसंबर और छत्तीसगढ़ से 11 से 14 दिसंबर के बीच होने वाले मुकाबले वाराणसी के इस नए मैदान पर खेले जाने की प्रबल संभावना है। यदि सब कुछ योजना के अनुरूप रहा, तो 3 दिसंबर को इस भव्य मैदान पर पहली बार मैच देखने को मिलेगा।

स्टेडियम में कुल 9 उच्च गुणवत्ता वाली पिचें तैयार की गई हैं, जिनमें से 4 लाल मिट्टी की, 3 काली मिट्टी की और 2 मिश्रित मिट्टी की हैं, जो विभिन्न प्रकार के मुकाबलों के लिए अनुकूल होंगी।

शुरुआत में अंडर-19 जैसे घरेलू मैचों का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य पिच और मैदान की गुणवत्ता का पूरी तरह से परीक्षण करना है, ताकि भविष्य में यहां बड़े पेशेवर मैचों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा सके। अंततः, यह स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।

हालांकि, मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के कारण, यहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच 2027 के जून के बाद ही होने की संभावना है, क्योंकि उससे पहले के सभी मैच पहले से ही निर्धारित हैं। फिर भी, जानकारों का मानना है कि महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीए) के मैचों का आयोजन यहां जल्द हो सकता है, जो इस स्टेडियम के लिए एक महत्वपूर्ण और रोमांचक शुरुआत होगी।